



मिशन शिक्षण संवाद



शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।



काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

संकलन-

काव्यांजलि टीम, MSS

काव्यांजलि की कविताएं, पाठों को सरल बनाए।



दक्षिण भारत की नदियाँ

दामोदर नदी



पश्चिम बंगाल और झारखंड में,
बहती है यह सरासर।
दक्षिण भारत की प्रसिद्ध नदी,
नाम है इसका दामोदर।

छोटा नागपुर से निकली, हुगली नदी में मिल जाती।
झारखंड में देवनद के, नाम से भी जानी जाती।

एकाएक बाढ़ आने के लिए थी यह कुख्यात।
कहलाई जाने लगी बंगाल का अभिशाप।

बाढ़ों की विध्वंसता का करना पड़ता था सामना,
सबसे विध्वंसकारी प्रलय 1730 की थी घटना।
नेहरू जी ने दामोदर परियोजना का किया निर्माण,
बाढ़ों का आना रुका, विद्युत का भी हुआ निर्माण।

हेमलता गुप्ता
प्राथमिक विद्यालय मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़



दक्षिण भारत की नदियाँ

दामोदर नदी

01

देस	भारत
राज्य	पच्छिम बंगाल, झारखंड
सहायिका	
- बायें से	बरकार, कोनार, जमुनिया
- दहिने से	साली
शहर	बोकारो, आसनसोल, पच्छिम बंगाल, रानीगंज, पच्छिम बंगाल, दुर्गापुर, बर्धमान, पच्छिम बंगाल
लैंडमार्क	तेनुघाट बाँध, पंचेत बाँध, पच्छिम बंगाल, दुर्गापुर बैराज, रणडिहा, पच्छिम बंगाल
उदगम	चंदवा
मुहाना	हुगली नदी, पच्छिम बंगाल
लंबाई	592 किमी (368 मील)



दक्षिण भारत की नदियाँ

स्वर्ण रेखा नदी

02

झारखण्ड राज्य के राँची नगर से,
नगड़ी गांव रानी चूआं नामक जगह से।
सोना उगलने वाली स्वर्ण नदी निकलती,
उत्तर-पूर्व की ओर झरने के रूप में गिरती।।

तीन संगम बिंदु दक्षिण पूर्व की ओर।
उत्तर-पश्चिम से प्रवेश मिदनापुर की ओर।।
टेढ़ी-मेढ़ी बहती हुई पहुंचे जिला बालेश्वर।
इस नदी की लंबाई 474 किलोमीटर।।

बंगाल की खाड़ी में स्वर्ण नदी गिरती।
सहायक नदियां कांची, करकारी भी बहती।।
जमशेद ने लौह इस्पात कारखाना खुलवाया।
इस नदी पर बसा नगर टाटानगर कहलाया।।

मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस



दक्षिण भारत की नदियाँ

स्वर्ण रेखा नदी

02

लंबाई: 474 कि.मी.

स्रोत: छोटा नागपुर पठार

मुहाना: बंगाल की खाड़ी

देश: भारत

पुल: Jangal Kanya Setu

नगरपालिकाएं: चांडिल, जमशेदपुर, घाटिशला, गोपिबल्लाबपुर



दक्षिण भारत की नदियाँ

वैतरणी नदी



पुराणों में वर्णित है जो,
वैतरणी नदी कहलाती वो।
ब्राह्मणी नदी संग मिल जाती,
बंगाल की खाड़ी तक जाती।।

पुरातन नदी संग जुड़ी,
पुरातन कुछ परम्पराएं।
नरकलोक ले जाती,
वैतरणी की कथाएँ।।

मानव को कर्मों का फल ये देती,
नरकलोक नदी भी ये कहलाती।।
पवित्र नदी ओडिशा की कहलाती,
" ओडिशा की गंगा" भी कही जाती।।

रीना (स०अ०)

प्राथमिक विद्यालय गिदहा
सदर, महाराजगंज

दक्षिण भारत की नदियाँ

वैतरणी नदी

03

देश	भारत
राज्य	ओडिशा
सहायिका	ब्राह्मणी
उद्गम	ओडिशा के क्यॉंझर पठार
कुल जलसंग्रहण क्षेत्र	19,500 वर्ग किमी०
अन्य नाम	'ओडिशा की गंगा', नरकनदी
कुल लम्बाई	365 किमी०



दक्षिण भारत की नदियाँ

ब्राह्मणी नदी

04

ओडिसा के धेनकलाल जिले में उद्गम है जिसका।
राउरकेला के नगरी गांव में ब्राह्मणी नाम है इसका।।
शंख और दक्षिण कोल के मेल से ये है बनती।
तब जाकर देखो ओडिसा से ब्राह्मणी नदी है बहती।।

उनतालीस हजार वर्ग किलोमीटर है ये फैली।
कारो ,शक ,तिरका सहायक नदियों बनाती ये वैली।।
सुंदरगढ़, कटक, केंदुझर, जाजपुर जिलों में बहती।
पूर्वी घाटों को ये है अपने जल से सुशोभित करती।।

भितरकनिका वन्यजीव अभ्यारण्य है जिस पर बना।
मगरमच्छ का पालन होता , मैंग्रोव वन बस है घना।।
बोनाईगढ़ शहर के पास रेंगाली बांध है इस पर स्थित।
तालचेर जिले के पास सामल बैराज है अवस्थित।।

आकांक्षा मिश्रा (स.अ.)
प्राथमिक विद्यालय सिकंदरपुर
सुरसा (हरदोई)



दक्षिण भारत की नदियाँ

ब्राह्मणी नदी



देश	भारत
राज्य	झारखण्ड, पश्चिम बंगाल
जिला	बीरभूम, मुर्शिदाबाद
स्रोत	
- स्थान	दुमका, संथाल परगना, झारखण्ड
मुहाना	24°09'28.1"N 88°00'54.3"E / 24.157806°N 88.015083°E
- स्थान	द्वारका नदी



दक्षिण भारत की नदियाँ महानदी

05

उड़ीसा में महानदी है बहती
कल-कल कर छत्तीसगढ़ तक रहती।
बंगाल की खाड़ी में है जाती
उड़ीसा का शोक कहाती।।

पांच सौ पचास मील जो मापे
ये पल भर में उसको नापे।
शिवरी धमतरी साथ खड़ी हैं
पैरी अरंपा वाम जड़ी हैं।।

लोग करे इसके तट विनती
सर्वश्रेष्ठ नदियों में गिनती।
हीराकुंड है इसपर बांध
शुद्ध जल है इसमें अगाध।।

आयुषी अग्रवाल स०अ०
कम्पोजिट वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)



दक्षिण भारत की नदियाँ महानदी

05

देश	भारत
मुख्य शहर	धमतरी, आरंग, सिरपुर, शिवरीनारायण, चन्द्रपुर, संबलपुर, कटक, चंपारण, संबलपुर
लम्बाई	885 कि.मी. (550 मील)
उद्गम	सिहवा रायपुर छत्तीसगढ़
मुख	बंगाल की खाड़ी
मुख्य सहायक नदियाँ	
- वामांगी	शिवनाथ, पैरी, सोंडुर, हसदेव, अरपा
- दक्षिणांगी	जोंक, जोंक, खारून



दक्षिण भारत की नदियाँ

गोदावरी नदी

06

गोदावरी नदी महाराष्ट्र के नासिक जिले से निकलती है, आंध्र प्रदेश से बहकर बंगाल की खाड़ी में मिलती है। गोदावरी नदी भारत में अनेक नामों से जानी जाती है, भारत की नदियों में यह सबसे लंबी मानी जाती है।।

रामायण ,महाभारत एवं पुराणों में इसकी कहानी है, इस में नहाने से धुल जाते पाप यह मान्यता पुरानी है। नासिक में बारह साल में कुंभ मेला लगता है, जिसे देखने लाखों भक्त गणों का रेला लगता है।।

धवलेश्वर डैम के आगे तीन शाखाएं निकलती हैं, तीनों शाखाएं मिलकर त्रिभुज रूप धारण करती हैं। कृष्णा और गोदावरी नदी मिलकर डेल्टा निर्माण करती हैं, गोदावरी पर बने बांध को दुनिया एनीकट बांध कहती है।।

शहनाज बानो(स.अ.)

पू.मा.वि.भौरी(मानिकपुर)

जनपद-चित्रकूट

दक्षिण भारत की नदियाँ

गोदावरी नदी

06

देस	भारत
राज्य	महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, पांडिचेरी (यनम)
प्रदेश/क्षेत्र	दक्खिन भारत, पच्छिम भारत
सहायिका	
- बायें से	बाणगंगा, कादवा, शिवना, पूर्णा, कदम, प्राणहिता, इंद्रावती, तालिपेरु, सबरी
- दहिने से	नासादी, दरना, प्रवरा, सिंदफाना, मांजरा, मनेर, <u>किन्नारासनी</u>
उदगम	
- लोकेशन	ब्रह्मगिरि पहाड़ी, त्र्यंबकेश्वर, नासिक, महाराष्ट्र, भारत
- ऊँचाई	920 मी (3,018 फीट)



दक्षिण भारत की नदियाँ

कृष्णा नदी

07

महाराष्ट्र राज्य में नदी एक बहती है, कृष्णा नदी के नाम से जानी जाती है। उद्गमस्थल महाबलेश्वर, 1400 किमी. लम्बी है कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश से होकर बंगाल की खाड़ी में बहती है।।

सहायक नदियों को लेकर धरा को हरा-भरा करती है। कुण्डला, कोयना, तुंगभद्रा, घाट प्रभा कहलाती है। बहुत उपजाऊ डेल्टा, प्रकृति उपहार में देती है, विजयवाड़ा कृष्णा, हैदराबाद मूसी नदी किनारे स्थित है।।

बंगाल की खाड़ी में कृष्णा नदी का संगम है, दो जल प्रपात जिनका दृश्य विहंगम है। शिवसमुद्रम जल प्रपात से अधिक बिजली बनती है, श्री रंग पट्टनम प्रपात से नदी की शोभा बढ़ती है।।

प्रतिमा उमराव(स. अ.)
उ०प्रा०विद्यालय अमौली
अमौली(फतेहपुर)



दक्षिण भारत की नदियाँ

कृष्णा नदी

07

अन्य नाम	कृष्णवेणा
देश	दक्षिण भारत
राज्य	महाराष्ट्र
उद्गम स्थल	पश्चिमी घाट शृंखला, महाबलेश्वर, महाराष्ट्र
लम्बाई	1,400 कि.मी.
सहायक नदियाँ	भीमा, तुंगभद्रा, गोदावरी, कावेरी
पौराणिक उल्लेख	पुराणों में कृष्णा को विष्णु के अंश से संभूत माना गया है। महाभारत सभा पर्व ¹¹ में कृष्णा को कृष्णवेणा कहा गया है और गोदावरी और कावेरी के बीच में इसका उल्लेख है जिससे इसकी वास्तविक स्थिति का बोध होता है- 'गोदावरी कृष्णवेणा कावेरी च सरिद्वारा'।
प्रवाहित क्षेत्र	सांगली, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश



दक्षिण भारत की नदियाँ

नर्मदा नदी

08

प्रायद्वीपीय भारत की नर्मदा नदी,
पश्चिम दिशा की ओर है बहती।
हुई प्रायद्वीपीय सबसे बड़ी नदी,
जो अरब सागर में जाकर गिरती।।

उद्गम मैकाल पर्वत की चोटी,
अमरकंटक नाम से विख्यात।
उत्तर में नर्मदा के विध्यांचल,
दक्षिण में सतपुड़ा विराज।।

ज्वारनदमुख का करती निर्माण,
भ्रंश घाटी से होती प्रवाहित।
जबलपुर समीप बहती गार्ज से,
धुआंधार प्रपात भी इससे निर्मित।।

प्रतिभा चौहान (स०अ०)
प्रा० वि० गोपालपुर
डिलारी, मुरादाबाद



दक्षिण भारत की नदियाँ

नर्मदा नदी

08

स्रोत	नर्मदा कुंड अमरकंटक
- स्थान	अनूपपुर जिला मध्यप्रदेश, भारत
- ऊँचाई	1,048 मी. (3,438 फीट)
- निर्देशांक	22°40'0"N 81°45'0"E / 22.66667°N 81.75000°E
मुहाना	खम्भात की खाड़ी (अरब सागर)
- स्थान	भरूच जिला गुजरात, भारत
- ऊँचाई	0 मी. (0 फीट)
- निर्देशांक	21°39'3.77"N 72°48'42.8"E / 21.6510472°N 72.
लंबाई	1,312 कि.मी. (815 मील)
जलसम्भर	93,180 कि.मी. ² (35,977 वर्ग मील)



- रचनाकारों की सूची -

हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
मन्जू शर्मा, हाथरस
रीना जी, महाराजगंज
आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
शहनाज़ बानो, चित्रकूट
प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

टेक्निकल टीम

आर.के. शर्मा, चित्रकूट
प्रांजल सक्सेना, बरेली
साकेत बिहारी शुक्ल
चित्रकूट



संकलन



काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद